आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 21 लखनऊ, मंगलवार 07 सितम्बर से 13 सितम्बर, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

फिरोजाबाद, मथुरा और आगरा जाएगी विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम, सीएम योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई), राममनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) और किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू)के विशेषज्ञ चिकित्सकों की तीन टीमें डेंगू और वायरल बुखार से प्रभावित आगरा, फिरोजाबाद और मथुरा जाएंगी। विशेषज्ञों की टीम तीनों जिलों के अस्पतालों में इलाज की प्रक्रिया देखेंगी और स्थानीय चिकित्सकों का मार्गदर्शन करेगी। सोमवार को अधिकारियों के साथ उच्च्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल के तीन– तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की तीन टीम गठित कर फिरोजाबाद, मथुरा और आगरा भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक–एक मरीज की सेहत पर बारीकी से ध्यान दिया जाए। विशेषज्ञ चिकित्सकों की यह टीम स्थानीय डाक्टरों का मार्गदर्शन कर मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध करायेगी। बैठक के बाद सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि तीनों जिलों में इलाज के लिए स्थानीय स्तर पर चिकित्सकों को युद्ध स्तर पर तैनात किया गया है। फिरोजाबाद में डेंगू व अन्य वायरल बीमारियों की रोकथाम के लिए अतिरिक्त बिस्तर, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाइयां, जांच उपकरण आदि की व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार ने मरीजों के इलाज और बीमारी से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार सुविधाएं, दवाइयां और तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने की निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित जिले में मरीजों की स्थिति पर २४ घंटे निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन द्वारा भी मरीजों और उनके परिजनों से संपर्क कर उनको मिल रहे इलाज और सुविधाओं की जानकारी लेने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवक्ता के मुताबिक सरकार ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन को लोगों को इस बात के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं कि बीमारी

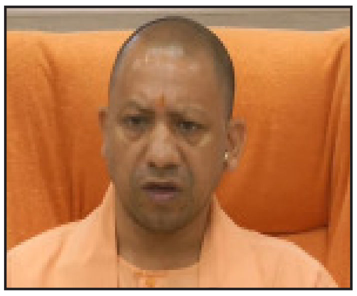

के हल्के लक्षण होने पर भी तत्काल निकटतम अस्पताल से संपर्क करें। पूरे अभियान पर खुद मुख्यमंत्री योगी नजर रख रहे हैं। इस बीच, फिरोजबाद में पिछले दिनों के मुकाबले रविवार को वायरल व डेंगू बुखार के प्रकोप में रविवार को कुछ कमी देखी गई। रविवार को डेंगू और वायरल बुखार से किसी की मौत नहीं हुई और मृतकों की संख्या ५१ पर स्थिर थी। शनिवार तक इस बीमारी से जिले में ५१ लोगों की मौत हुई थी। फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य डक्टर संगीता अनेजा ने रविवार देर शाम बातचीत में बताया था कि आज मेडिकल कलेज में वायरल व डेंगू बुखार के १०५ नए मरीज भर्ती किए गए जबकि ६० मरीजों को ठीक होने के कारण अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अब मेडिकल कॉलेज के विभिन्न वार्ड में ४४७ मरीज भर्ती हैं। डेंगू के ६७ नमूनों की रैपिड किट से जांच की गई जिनमें से ५० संक्रमित पाए गए। उन्होंने बताया था कि ५१ नमूनों की जांच एलिजा पद्धति से की गई जिनमें से ३५ के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि पिछले २४ घंटे में मेडिकल कॉलेज में एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है और प्लेटलेट बढ़ने से भर्ती मरीजों की सेहत में सुधार हो रहा है। फिरोजाबाद में वायरल व डेंगू के प्रकोप से हुई मौतों को गंभीरता से लेते हुए जिले के मुख्य विकास अधिकारी चर्चित गौड़ ने प्रशासन के अभियान में लापरवाही बरतने के कारण जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) नीरज कुमार को ग्राम पंचायत विकास अधिकारी दीपक यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया था। गौरतलब हैं कि पिछले लगभग दो सप्ताह से वायरल बुखार और डेंगू का प्रकोप फिरोजाबाद जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ३० अगस्त को फिरोजाबाद पहुंचे थे और बीमारी से पीड़ित लोगों का हाल जानने के साथ–साथ इसे नियंत्रित करने के निर्देश दिए थे।

चुनावी साल में प्राइवेट शिक्षकों के लिए योगी सरकार का बड़ा ऐलान

लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने शिक्षक दिवस के मौके पर कई घोषणाएं की। इन्हीं घोषणाओं में से एक प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों के लिए भी की गई। दरअसल, डॉक्टर दिनेश शर्मा ने शिक्षक दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर लखनऊ के गोमती नगर स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के सभी प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों को वेतन का भुगतान अब उनके सीधे बैंक अकाउंट में ही कराया जाएगा। दिनेश शर्मा के इस ऐलान के साथ ही प्राइवेट शिक्षकों को सरकारी शिक्षकों की ही तरह लाभ मिल सकेगा। आपको बता दें कि सरकारी शिक्षकों को वेतन भुगतान सीधे बैंक खाते में किया जाता है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब राज्य के प्राइवेट स्कूलों के मैनेजमेंट द्वारा शिक्षकों को कम वेतन दिए जाने की शिकायतें लगातार आ रही थी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा ने रविवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित किये गये माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्य/शिक्षकों को सम्मानित किया। रविवार को जारी सरकारी बयान के अनुसार शर्मा ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के

हित में माध्यमिक शिक्षा विभाग से संबंधित कई घोषणाएं भी की। उन्होंने कहा कि राजकीय माध्यमिक शिक्षकों के अवकाश (चिकित्सा अवकाश, मातृत्व अवकाश, बाल्य देखभाल अवकाश) को मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वित्तविहीन विद्यालयों के अंशकालिक शिक्षकों की परिलब्धियों का भुगतान प्रबंध तंत्र द्वारा संबंधित के बैंक खाते में कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि राजकीय तथा सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के जनपद स्तर, मंडल स्तर तथा राज्य स्तर पर प्राप्त होने वाले सेवा संबंधित शिकायती प्रकरणों पर समयबद्ध तथा पारदर्शी निस्तारण हेतु एक ऑनलाइन व्यवस्था की जाएगी, जिससे पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों की शिकायतों के समस्त प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जा सके। उन्होंने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों/कर्मचारियों के अवशेष वेतन के प्रकरणों में एक लाख रुपये तक की सीमा के अवशेष (एरियर) मंडलीय शिक्षा निदेशक के स्तर से अनुमन्यता निर्गत की जा रही है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज से चयनित शिक्षक (प्रथम नियुक्ति) के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन के कारण उत्पन्न अवशेष की अनुमन्यता किसी सीमा तक मंडल सहित संयुक्त शिक्षा के स्तर से निर्गत की जाएगी।

न्यायालय ने नीट-यूजी को टालने से इनकार किया, १२ सितंबर को होनी है परीक्षा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट–यूजी) को टालने से सोमवार को इनकार करते हुए कहा कि वह प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता और इसकी तारीख में बदलाव करना 'अनुचित' होगा।

नीट–यूजी १२ सितंबर को होनी है। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमारकी तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि यदि छात्र कई परीक्षाओं में बैठना चाहते हैं तो उन्हें प्राथमिकता तय करनी होगी और अपना विकल्प चुनना होगा क्योंकि ऐसी स्थिति तो कभी नहीं हो सकती जिसमें परीक्षा की तारीख से हर कोई संतुष्ट हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने के लिए स्वतंत्र हैं और इस बारे में कानून के अनुरूप जल्द फैसला लिया जाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता शोएब आलम से पीठ ने कहा, "आप जो दलीलें दे रहे हैं हो सकता है कि वे ६६ फीसदी उम्मीदवारों के लिए प्रासंगिक न हों। एक फीसदी उम्मीदवारों के लिए पूरे तंत्र को रोका नहीं जा सकता।" आलम ने कहा था कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी २०२१ को टाला जाए क्योंकि १२ सितंबर के आसपास कई अन्य परीक्षाएं भी होनी हैं। इस पर पीठ ने कहा, "परीक्षा की तारीख बदलना बहुत ही अनुचित होगा क्योंकि नीट एक बहुत व्यापक पैमाने पर होने वाली परीक्षा है। यह राज्यवार नहीं होती, यह देशभर में होने वाली परीक्षा है।

सम्पादकीय

किसान आंदोलन का दम बरकरार

मुजफ्फरनगर में आयोजित हुई विशाल किसान पंचायत ने यह बात सबके सामने साबित की कि अपनी शुरुआत के एक साल बीत जाने के बाद भी किसान आंदोलन का दम बरकरार है। बल्कि अब आंदोलनरत किसानों में अपने उद्देश्य के प्रति अधिक संकल्प भावना आई है। हालांकि उनका मुख्य विरोध पिछले साल पारित कराए गए तीन कृषि कानूनों के प्रति है, लेकिन ये कानून आखिर बने क्यों, उनकी आर्थिक–राजनीतिक पृष्ठभूमि क्या है, इस बात की समझ किसानों में अब अधिक गहरी हो गई दिखती है। इसलिएंषि कानूनों का उनका विरोध अब एक अधिक ठोस शक्ल में नजर आता है। मुजफ्फरनगर वह जगह है, जहां से समझा जाता है कि २०१३ में उभर रही मोदी लहर को खास हवा मिली थी। पृष्ठभूमि वहां हुए हिंदू–मुस्लिम दंगों से बनी या कहें बनाई गई। अब उसी मुजफ्फरनगर में जुटे लाखों का किसानों ने 'अल्ला–हो–अकबरः हर हर महादेव' का नारा लगाया। किसान नेता राकेश टिकैत ने लोगों से संकल्प लेने को कहा कि अब कभी दंगा नहीं होगा। यह साधारण बात नहीं है। बल्कि इसमें ये समझ जाहिर होती है कि जब तक दंगा या सामाजिक द्वेष का माहौल नियंत्रित नहीं होगा, भारतीय जनता पार्टी को सियासी मैदान में चुनौती देना लगभग असंभव बना रहेगा। इसके अलावा किसान आंदोलन ने उस पलिटिक इकनमी की भी गजब की समझ दिखाई है, जिसका परिणाम येंषि कानून हैं। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि भले अभी किसान और उनके समर्थक जन समुदायों के निशाने पर भाजपा सरकारें हैं, लेकिन अगर दूसरे दलों ने इस पलिटिकल इकनमी का विकल्प पेश नहीं किया, तो उनकी सरकारें भी (अगर वे कभी भविष्य में बनीं तो) इस आंदोलन के निशाने पर रहेंगी। अब ये बात बेशक कही जा सकती है कि आजाद भारत के इतिहास में आर्थिक मुद्दों पर केंद्रित इतना बड़ा और इतना लंबा चला जन आंदोलन कभी नहीं हुआ। तो राजनीतिक दलों को इससे संदेश ग्रहण करना चाहिए कि जमीनी स्तर पर अपने वर्ग हितों को लेकर आखिरकार एक नई जन चेतना पैदा हो रही है। ये आंदोलन और ये चेतना निकट भविष्य में निर्णायक साबित होगी, ये कहना अभी कठिन है। बल्कि ये आंदोलन उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव नतीजों को कितना प्रभावित कर पाएगा ये देखना बाकी है।

पबजी खेलते समय युवक की हुई मौत,गेम खेलते समय आया अटैक

भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले में पबजी खेलने के दौरान ११वीं के छात्र की मौत हो गई है। वे गेम खेलते समय अचानक चीखा और बेहोश हो गया। जिसके बाद परिवार वाले उसे अस्पताल ले उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं पुलिस ने अज्ञात कारणों को लेकर मामला दर्ज किया है। पीएम के बाद सोमवार सुबह शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि मृतक की विसरा

गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों का कहना है कि वह दिव्यांग था, इसलिए बाहर कम ही जाता था। आपको बता दें कि घटना जिले के अमौना शांतिनगर की है। दीपक पुत्र रमेशचंद्र राठौर पैर से दिव्यांग था। हाल ही में उसने योगिता बालमंदिर स्कूल से १०वीं की परीक्षा पास की थी और ११वीं में दाखिला लिया था। वह रविवार दोपहर अपने घर पर मोबाइल पर गेम खेल रहा था, तभी अचानक जोर से चीखा। और कुछ समय बात रिपोर्ट भोपाल भेजी जाएगी और उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि युवक की मौत कैसे हुई। दरअसल दीपक परिवार में सबसे छोटा था। दीपक का एक बड़ा भाई श्माम राठौर तेल पैकिंग कंपनी में कार्य करता है, जबकि तीन बड़ी बहनें हैं। बताया जा रहा है कि २ बहनों की शादी हो चुकी है। मम्मी धागा कंपनी में कार्य करती है। यह भी बताया जा रहा है कि दीपक के पिता की ५ वर्ष पहले हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है।

यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बनारस में ७ दिनों में १० अपराधियों पर लगाया गया गैंगस्टर एक्ट

लखनऊ। बनारस में केवल ७ दिनों के अंदर अंदर १०० अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया है, इसे वाराणसी रिकॉर्ड की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस का तो कहना है कि आने वाले दिसंबर माह तक ५०० से अधिक अपराधियों पर यह गैंगस्टर एक्ट लग चुका होगा। इस एक्ट में उन अपराधियों को रखा गया है जो हत्या, लूट, डकैती, चोरी, रंगदारी, रेप बड़ी जालसाजी से बहुत सारे अपराध करके बाहर की हवा खा रहे हैं। अब उन पर एक बार फिर से जेल का सिकंजा जड़ा जाएगा और ऐसे अपराधियों का गैंगस्टर एक्ट लगाने का कार्य शुरू हो गया है। बनारस में अब तक १०० अपराधियों पर इस एक्ट को लागू किया गया है, जिसमें से लंका थाना इलाके से सबसे ज्यादा ३१ अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। आपको बता दें कि जब से बनारस में कमिश्नर सिस्टम को लागू किया गया है तबसे हर थाने से अपराधियों पर कार्रवाई करने का काम लागू किया गया है। इसके साथ अपराधियों का एक

रिकॉर्ड भी बनाया जा रहा है कि जिन्होंने गैंग बनाकर बड़े–बड़े क्राइम किए हुए अपराधियों पर लंका में ३१ अपराधियों पर इस एक्ट को लागू किया गया है। वहीं सारनाथ में १६, मण्डुवाडीह में १६, कैंट में८, भेलूपुर में १०, रामनगर ५, सिगरा ५, आदमपुर ५, लालपुर २,जेतपुरा में २ अपराधियों पर इस एक्ट को जारी किया गया है। चलिए आपको बताते हैं कि क्या है गैंगस्टर एक्ट? यह एक्ट उन अपराधियों के लिए बनाया गया है जो गैंग बनाकर अपराध करते हैं और उन सब का उद्देश्य एक ही होता है। तो ऐसे लोगों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी इसमें अपराधी अधिक होते हैं और वह बड़ी–बड़ी कारनामे और बड़ी घटना को अंजाम देते हैं। अपराधियों में इस एक्ट का लेकर सबसे ज्यादा डर होता है और इस एक्ट को लगाने के बाद से ही अपराधी पर तुरंत मुकदमा शुरू हो जाता है और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही इसके बाद अपराधी को जमानत भी जल्द ही नहीं मिल पाता है और उनकी डकैती की हुई संपत्ति को जब्त कर दिया जाता है।

प्रबुद्ध सम्मेलन में सपा-बसपा के सवाल पर भड़के स्वतंत्र देव सिंह, बोले- योगी सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई

अयोध्या। विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में शामिल होने प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह अयोध्या पहुंचे, जहां पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सरकार की नीतियों योजनाओं का बखान किया गया तो वहीं पत्रकारों से बात करते समय सपा–बसपा के सवाल को लेकर नाराज भी हो गए और गंभीर आरोप भी लगाए। रअयोध्या नगर क्षेत्र स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि आज सभी राजनीतिक पार्टियां भाजपा से डर गई हैं, इसलिए मंदिर–मंदिर घूम रही है। जबकि पहले कोई भी पार्टी अयोध्या आने के लिए तैयार नहीं थी, न ही किसी अन्य मंदिरों तक पहुंच रहे थे। लेकिन अब सभी पार्टियों के नेता मंदिरों के दरवाजे खटखटा रहे हैं, तो वहीं अयोध्या

भी पहुंच रहे हैं। भाजपा के शासन में अयोध्या का विकास हो रहा है, चाहे वह पर्यटन के क्षेत्र में हो या धार्मिक योजनाओं से अयोध्या को सजाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार के नेतृत्व में अयोध्या को नहीं पहचान मिली है। सिंह ने सपा–बसपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका नेतृत्व इस भ्रष्टाचार में लिप्त है। लेकिन जब योगी सरकार आई तो भ्रष्टाचार पर लगाम ही नहीं लगाया बल्कि प्रदेश में कानून आज भी दिखाई दे रहा है। तो वहीं उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की तर्ज पर लोग जल्द जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रति नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि टॉर्चर कानपुर परिश्रम और पराकाष्ठा के आधार पर हम एक बार फिर बड़े ही बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे।

कूड़ा गंदगी की जगह,अब महकेंगे फूल।

कूड़ा डम्पिंग बन चुके स्थान पर आशा वेलफेयर फाउंडेशन ने किया पौधरोपण

लखनऊ। राजधानी के आशियाना में एलडीए कलोनी शिव आश्रम के पास ग्रीन बेल्ट के एक हिस्से में पब्लिक कूड़ा डालती थी,आने जाने वाले कुछ असभ्य टॉयलेट तक करते थे,जिससे सामने रहने वाले लोगो को तमाम तरह की दिक्कतों का

सामना करना पड़ता था। वही की निवासी कमलजीत कौर ने आशा वेलफेयर फाउंडेशन में सम्पर्क किया। सोमवार को आशा वेलफेयर फाउंडेशन ने उस स्थान पर पौधरोपण किया। चंपा, चमेली, अशोक, गुलमोहर, कनेर, छोटी चांदनी, गेंदा, गुड़हल इत्यादि पौधे लगाए गए। आने जाने वाले लोगो ने इस प्रयास की सराहना की है। गौरतलब है आशा वेलफेयर फाउंडेशन ने पौधरोपण अभियान शुरू किया है। सोमवार को हुए गंदगी के विरुद्ध पौधरोपण अभियान में कमलजीत कौर के अतिरिक्त संस्था की अध्यक्षा सोनी वर्मा,उपाध्यक्ष बृजेन्द्र बहादुर, सचिव ज्योति मेहरोत्रा एवं सदस्य शीबा खान मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के जरिए उत्तर प्रदेश की महिलाओं के कदम स्वावलंबन की राह पर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति महिलाओं के लिए एक बड़ा माध्यम बन गई है। मिशन शक्ति के जरिए प्रदेश की महिलाओं के कदम स्वावलंबन की राह पर तेजी से बढ़ रहे हैं। इस वृहद अभियान से एक ओर महिलाओं को संबल मिला है दूसरी ओर सरकार की योजनाओं से जुडने का मौका भी मिल रहा है।उत्तर प्रदेश की बेटियां और महिलाएं लघु कुटीर उद्योग से जुड़कर अपनी जैसी तमाम दूसरी महिलाओं की जिंदगी को संवार रही है। हैंडीक्राफ्ट, जूट, परिधाानों का कार्य कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। इसके साथ ही दूसरों के लिए रोजगार का माध्यम भी बन रही हैं। लघु कुटीर उद्योग से जुड़ी वाराणसी की शारदा सिंह ने बताया कि बीते वर्ष कोरोना की पहली लहर में जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए जूट से बने उत्पादों का काम शुरू किया। इस काम से बहुत कम समय में अब तक सौ महिलाओं को जोड़ लिया है। उन्होंने बताया कि मेरी इस कार्य से मेरी प्रति माह एक लाख तक की आय हो जाती है। उन्होंने बताया कि हम अब योगी आदित्यनाथ सरकार की योजनाओं से लाभ लेकर प्रदेश में पारंपरिक स्वदेशी इकाफ्रेंडली उत्पादों के जरिए प्लास्टिक मुक्त प्रदेश की ओर कदम तेजी से बढ़ रहे हैं। ओडीओपी के जूट के बैग के साथ बाजार में कुल्हड़

व मूंज के उत्पाद की मांग बढ़ रही हैं।उत्पादन के काम में लगीं आगरा की पूजा ने बताया कि हैंडिक्राफ्ट के काम को पहचान तब मिली जब २४ जनवरी २०१८ को प्रदेश सरकार ने ओडीओपी में शामिल करा दिया। मुझे पांच लाख रुपए तक का लोन राज्य सरकार से ओडीओपी के तहत मिला है। इस योजना के शुरू होने से पहले जहां मैं केवल ५० पीस तैयार कर पाती थी वहीं अब प्रतिदिन ५०० पीस तैयार करती हूं। उन्होंने बताया कि सजावटी सामान, इम्यूनिटी गुड़, अचार, हैंडिक्राफ्ट, दीए, मोमबत्ती जैसे उत्पादों की मांग यूएस, दुबई समेत देश के अलग–अलग राज्यों में बढ़ गई है। ओडीओपी से मांग और उत्पादन में ६० से ८० प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। मेरे साथ ५०० महिलाएं अपने स्वरोजगार के सपने को पूरा कर पाई हैं। उन्होंने कहा कि ओडीओपी के साथ अब सीएम योगी आदित्यनाथ के श्मिशन शक्तिश अभियान से ग्रामीण महिलाएं भयमुक्त होकर काम कर पाएंगी।देवरिया के विवेक सिंह ने बताया कि डेकोरेटिव हैंडिक्राफ्ट और बैंबू लाइट का व्यापार करता हूं। उन्होंने बताया कि हमारे कारीगरों की तैयार की गई लाइट, झूमर और झालर की मांग नाइजीरिया, दुबई समेत देश के अलग राज्यों में मांग बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस योजना के तहत सीधे तौर पर ३००० महिलाओं को रोजगार दिया है। इसके साथ ही देवरिया और दूसरे राज्यों में ग्रो सेंटर बनाकर महिलाओं को एक ही छत के नीचे ट्रेनिंग दी जा रही है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने शुरू की चुनाव की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में २०२२ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भी लग गया है। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही एक नवंबर से मतदाता सूची पुनरीक्षण व मतदाता जागरूकता अभियान शुरु करने की घोषणा भी कर दी है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ल ने एक नवंबर से शुरू हो रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान में नए मतदाताओं का शत–प्रतिशत पंजीकरण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जरूरी सभी समितियों व सेल का गठन किया जाए।प्रदेश के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ शुक्रवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग कर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण व मतदाता जागरूकता अभियान की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने दिव्यांग मतदाताओं के लिए जिला स्तर पर गठित होने वाली कमेटी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जहां महिला मतदाताओं की संख्या कम है, वहां अभियान चलाकर महिलाओं के नाम जोड़े जाएं। मतदाता जागरूकता के लिए गैर राजनीतिक दल, बैंक, मीडिया संस्थान आदि के साथ समझौता किया जाए। इंटरनेट मीडिया का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी सलाह दी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एनसीसी, एनएसएस, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, नेहरू युवा केंद्र, सिविल डिफेंस, स्कूल एवं कालेजों के विद्यार्थियों व अन्य के साथ कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए वर्चुअल बैठकें तथा आनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित करने को कहा। उन्होंने जिला व राज्य स्तर पर स्वीप आइकन नामित करने, दिव्यांग मतदाताओं की मैपिंग करने के साथ ही साथ मीडिया सेल व सोशल मीडिया सेल आदि का भी गठन शीघ्र करने का निर्देश दिया है।

शोहदे ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल की महिला की आपत्तिजनक फोटा

लखनऊ। एक शोहदा महिला से बात करने और मिलने का दबाव बना रहा था। विरोध पर उसने महिला के पति को जान से मारने की धमकी दी। महिला नहीं मानी तो उसकी फोटो एटिड कर अश्लील किया और इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दी। आलमबाग पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ आइटी एक्ट और धमकी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर आलमबाग अमनाथ विश्वकर्मा के मुताबिक महिला क्षेत्र की ही रहने वाली है। वर्ष २००८ में उसकी शादी उसके पिता के परिचित के बेटे राजेश के साथ होनी थी। राजेश की हरकतें ठीक न होने के कारण महिला ने मना कर दिया था और शादी किसी और से कर ली थी। महिला के मुताबिक बीते जनवरी माह में वह रायबरेली स्थित अपने मायके गई थी। वहां राजेश भी पहुंच गया। राजेश उससे बात करने और मिलने का दबाव बना रहा था। विरोध पर उसने पति को गोली मारने की धमकी दी। एक दिन राजेश ने किसी काम के बहाने से मिलने के लिए बुलाया और कुछ फोटो मोबाइल से खींच ली।इसके बाद बीते जुलाई माह में वह फोटो राजेश ने पति को भेजी। इसके बाद फोटो को एप से अश्लील किया और इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दी। मामले की जानकारी होने पर महिला ने विरोध किया तो उसने धमकी दी। इस पर महिला ने सारी बात पति को बताई। इसके बाद आलमबाग कोतवाली में तहरीर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि राजेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

महिला आयोग की सदस्य कुमुद श्रीवास्तव ने नारी शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज की बालिकाओं को किया सम्बोधित

लखनऊ। महिला सुरक्षा सम्मान तथा स्वावलंबन कार्य योजना के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के मध्य घरेलू हिंसा विषय पर नारी शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज, कैसरबाग लखनऊ में मुख्य वक्ता के रूप में कुमुद श्रीवास्तव सदस्य राज्य महिला आयोग उ०प्र० ने विद्यालय की बालिकाओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में महिला हेल्पलाइन नम्बर तथा आपातकालीन नम्बरों की जानकारी बालिकाओं को दी गयी। उन्होंने बालिकाओ को आत्मरक्षा हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना चलायी जा रही हैं जिसके द्वारा कन्या के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा तक के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता दी जा रही हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति के अन्तर्गत सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं को भी जानकारी देने के साथ–साथ योजनाओं से जोड़ा भी जा रहा है। उन्होंने कहा कि उ०प्र० मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत कोविड–१६ के कारण अनाथ हुए बच्चों के भरण–पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था की जा रही है। इस

योजना के तहत १८ वर्ष तक के आयु वाले बच्चे जिनके माता या पिता अथवा दोनों की मृत्यु कोविड से हो गयी हो, ऐसे बच्चों को ४००० रूपये प्रति माह की सहायता दी जा रही है। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अनीता अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती प्रतिमा गौड़ तथा नोडल अधिकारी श्रीमती रीना तिवारी उपस्थित रहीं।

वृद्ध महिला से चेन लूट अपराधी हुए फरार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना पीजीआई स्थित वृन्दावन योजना सेक्टर १६ बी/२५ के पास वृद्ध महिला मॉर्निंग वॉक के लिए निकली महिला से स्कूटी सवार बदमाशों ने छीनी चेन छीना झपटी में महिला को आई काफी चोटें। पीजीआई थाना क्षेत्र में वृन्दावन कालोनी में चोरी व चेन लूट का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है वृन्दावन कालोनी में पुलिस की गश्त न होने के कारण लगातार चोरों व लूटेरों का इतना आतंक है कि घरों से आये दिन लोगो के मोबाइल फोन तक चोरी होजाते हैं।कालोनी में रहने वाले हमेशा दहशत में रहते हैं कि कही चोरी न होजाये। कहीं न कही पुलिस पर सावलिया निशान भी खड़ा होता है। लखनऊ के पीजीआई वृन्दावन के सेक्टर १६ बी ध्२५ की निवासिनी हैं आप को बताते चलें कि वृद्ध महिला देवता मोर्या ७२ वर्ष पत्नी स्वर्गीय गंगा राम मौर्या।सुबह करीब ६रू४० बजे के आप पास मर्निंग वक के लिए निकली थी की अचानक से स्कूटी सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मार कर चेन छीन ली वृद्ध होने के कारण महिला के गले में चहरे व पसलियों में छोटे भी आई हैं। आसपास के लोगो ने जानकारी देते हुए बताया कि वृन्दावन सेक्टर१६ के पास ईश्वरी खेड़ा गांव के तरफ ये लड़के आते है कई दिनों से दिख रहे हैं सेक्टर१६ पानी की टंकी के खड़े रहते है यहां पुलिस की गश्त भी नही होती है इस वजह से इनके हौसले बुलंद है ये दोनों लूटेरे काली शक्ल के है इनके पास पेप स्कूटी रेड कलर की है बिना मास्क बिना हेल्मेट के थे इनकी स्कूटी का आखरी नंबर ७२ समझ मे आया था इतनी तेज गति से भागे थे स्कूटी सवार कि पूरा नंबर नही देख पाए। प्रभारी निरीक्षक आनंद प्रकाश शुक्ल ने बताया कि वृन्दावन के सेक्टर१६ में स्कूटी सवार बदमाशों ने एक वृद्ध महिला से सुबह चेन लूट की है। छीना झपटी में करीब चेन का एक चौथाई भाग ही लेकर भाग पाए हैं। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है जल्द ही अपराधी को गिरफ्तार किया जाएगा।

टीकाकरण अभियान में भारत विकसित देशों को पछाड़ रहा

नई दिल्ली। अगस्त में जी–७ देशों से ज्यादा लगाए टीके इस बात की जानकारी भारत सरकार की तरफ से दी गई है। केंद्र के आधिकारिक हैंडल डलळवअ्पदकपं की ओर से जानकारी दी गई कि देश ने अगस्त में १८ करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन किया। जो जी–७ देशों में लगाए गए कुल कोरोना माहामारी की उम्र एक साल से ज्यादा की हो गई। आपातकाल, बैन, लकडाउन आदि–इत्यादि झेलने के बाद दुनिया समाधान की तरफ बढ़ गई है। हम सब इस बात को जानते हैं कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन ही सबसे बड़ा हथियार है। कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान में भारत लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। अब तक ६८ करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है। इसके साथ ही टीके लगाने की रफ्तार में भी इजाफा हो रहा है। अगस्त के महीने में भारत ने १८ करोड़ से ज्यादा वैक्सीनेशन किया है। ये आंकड़ा सभी जी–७ देशों की तुलना में सबसे अधिक है। टीके से भी अधिक है। बता दें कि जी–७ दुनिया के सात सबसे विकसित देशों का समूह है। इसमें कनाडा, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका और जापान शामिल हैं। केंद्र सरकार की ओर से ट्वीट किया गया कि एक और उपलब्धि! अगस्त के महीने में वैक्सीन की १८ करोड़ से अधिक डोज देने के साथ भारत ने प्राथमिकता के आधार पर अपनी आबादी का टीकाकरण करने के वैश्विक मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ी है। भारत के पिछले एक सप्ताह के आंकड़ों पर नजर डालें तो हर दिन औसतन ८४.५५ लाख लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई गई है। अमेरिका, ब्राजील, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, इंडोनेशिया, तुर्की, फ्रांस जैसे देशों में एक दिन में लग रही वैक्सीन डोज की संख्या आपस में जोड़ दें तो भी ये सभी देश संयुक्त रूप से एक दिन में भारत के ८४.५५ लाख से अधिक की वैक्सीन डोज से कम ही आते हैं।

भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद को पुलिस ने बनाया बंधक

लखनऊ । ६९००० शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। इको गार्डन में अभ्यर्थियों के समर्थन में सोमवार को आए भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने विधानभवन घेराव का एलान किया तो पुलिस ने बेरीकेडिंग लगाकर उन्हे रोनके का प्रयास किया। नारे बाजी के बीच मामला बढ़ता देख सुरक्षाकर्मियों ने गार्डन के अंदर भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के साथ गार्डन गेट बंद कर रोक दिया। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर हंगामा हुआ। दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की जारी रही। चंद्रशेखर बैरिकेडिंग के ऊपर माइक से अपने लोगों और पुलिस को संबोधित करते हुए प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने की अपील कर रहे थे। लगातार सरकार के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी।बेसिक शिक्षा विभाग में चल रही ६९ हजार शिक्षक भर्ती के हजारों ओबीसी अभ्यर्थी इको गार्डन में कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों पर शिक्षक भर्ती में आरक्षण के नियमों की अनदेखी को लेकर हो रहे इस प्रदर्शन को भीम आर्मी के चंद्रशेखर अगुवाई कर रहे हैं। इससे पहले भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर दोपहर में धरना स्थल पर पहुंचे। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर ने प्रदेश सरकार को दोपहर दो बजे तक का समय

दिया था। उन्होंने कहा है कि सरकार आरक्षण के संबंध में अपना फैसला ले, अन्यथा पहली बार लखनऊ में बहुत बड़ा आंदोलन होगा। उनके अल्टीमेटम के साथ पहले से ही भारी पुलिस बल मौजूद थी। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर ने कहा कि एक विचारधारा के लोग ही यहां अपना वर्चस्व बनाए हुए हैं। ऐसे में दलित को न्याय कहां से मिलेगा। यहां दलित को सिर्फ गुमराह किया जाता। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे कुछ करें, लेकिन हम अपना अधिकार लिए बगैर यहां से नहीं जाएंगे। २६ अप्रैल को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की आरक्षण घोटाले की रिपोर्ट जारी होन के साथ ही मामला बढ़ा हुआ है और अभ्यार्थी बेसिक शिक्षा मंत्री से लेकर निदेशक कार्यालय तक प्रदर्शन कर चुके हैं।

शशि थरूर ने गाया ६० के दशक का गाना, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली। डा. शशि थरूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह महान गायक किशोर कुमार के प्रसिद्ध गीतों में से एक एक अजनबी हसीना सेृ गाते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर एक बार फिर ट्रेंड कर रहे हैं. पिछले महीने, एक मंदिर में नारियल फोड़ते हुए उनकी एक तस्वीर वायरल हुई और तुरंत मेमे बनाने वालों के लिए हिट हो गई। हालांकि, इस बार यह उनके गायन कौशल के लिए है। अपने त्रुटिहीन व्याकरण और भाषा की परिष्कृत समझ के लिए जाने जाने वाले राजनेता ने दूरदर्शन श्रीनगर द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक हिंदी गीत गाया , वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। क्लिप में थरूर काले रंग की नेहरू जैकेट पहने

दिखाई दे रहे थे, जिस पर कनी शल लिपटी हुई थी। जोशीले मूड में, थरूर ने मंच पर १९७४ का हिट गाना एक अजनबी हसीना से गाया। आपको बता दें कि आरडी बर्मन द्वारा रचित इस गाने के बोल आनंद बख्शी के हैं और इसको आवाज किशोर कुमार ने दी है। इस पर शशि थरूर ने कहा,ष्सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति के लिए दूरदर्शन श्रीनगर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद, मुझे सदस्यों के लिए गाने के लिए राजी किया गया था। बिना रिहर्सल और शौकिया लेकिन इसका आनंद लें।' इस बीच, शशि थरूर का वीडियो तुरंत वायरल हो गया और लगभग दो घंटे पहले अपलोड किए जाने के बाद से इसे ६५,००० से अधिक बार देखा जा चुका है। नेटिजन्स ने नेता की भावना की सराहना की।

बसपा विधायक मुख्तार अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मऊ से बसपा विधायक मुख्तार अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को उसकी पत्नी अफशां अंसारी की याचिका पर किसी तरह का हस्तक्षेप करने या आदेश जारी करने से इन्कार कर दिया। अफशां ने जेल में मुख्तार अंसारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाई कोर्ट जाने को कहा और इस संबंध में किसी भी तरह का आदेश पारित करने से भी मना कर दिया है। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट से इस मामले में तेजी से सुनवाई करने की बात भी कही है।इससे पहले गुरुवार को अफशां अंसारी और उनके पुत्र उमर अंसारी ने जेल में मुख्तार अंसारी की जान को खतरे का अंदेशा जताते हुए प्रयागराज की विशेष अदालत में आवेदन दाखिल किया था। इसमें उन्होंने कहा था, 'बैरकों के अंदर व बाहर के अलावा बाथरूम में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे उन्हें (मुख्तार को) समस्या हो रही है। पंजाब के रोपड़ जिले से बांदा जेल में शिफ्ट किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित मेडिकल टीम भी नियमित रूप से मेडिकल चेक–अप नहीं कर रही है।श आवेदन में उन्होंने अधिकारियों से इस मामले को देखने का अनुरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट में माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी ने उनकी जान को खतरा बताते हुए याचिका दाखिल की थी। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मुख्तार अंसारी को पंजाब जेल से उत्तर प्रदेश की जेल ट्रांसफर किया गया। मुख्तार अंसारी की जान को खतरा है। वहां के नेता भी अपराधियों को गोली मारने की बात करते हैं।सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में अफशां अंसारी ने याचिका में कहा था कि मुख्तार अंसारी की जान को खतरा है और इस मामले में फेयर ट्रायल हो और मुख्तार अंसारी का एनकाउंटर न किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया था कि माफिया डान ब्रजेश सिंह सरकार का हिस्सा है और वो बेहद प्रभावशाली है। वह मुख्तार अंसारी की हत्या की साजिश कर सकता है। इसलिए कोर्ट में पेशी दौरान समुचित सुरक्षा दी जाए।बता दें कि मुख्तार अंसारी को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब से उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में शिफ्ट किया गया था। मुख्तार अंसारी के बांदा जेल में शिफ्टिंग की उत्तर प्रदेश सरकार ने खासी तैयारियां की थीं। मुख्तार अंसारी के बांदा जेल पहुंचने से पहले बांदा जेल को पुलिस छावनी में बदल दिया गया था। यूपी में जान का खतरा बताते हुए मुख्तार अंसारी ने पंजाब में एक मामूली केस में समर्पण कर दिया था और तब से वहां की जेल में बंद था। पंजाब सरकार ने भी उसे यूपी ट्रांसफर किए जाने का विरोध किया था।

विधवा रिश्तेदार से 'रेप' ना कर पाया, तो कान तक चबा गया 'दरिंदा'

चित्रकूट। महिलाओं के साथ बढ़ते आपराधिक मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. पुलिस प्रशासन ज्यादातर मामलों में बेबस नजर आता है क्यों कि इन मामलों में ज्यादातर रेप करने के आरोपी महिला के जान पहचान वाले ही होती हैं. ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनपद से सामने आया है. बताया जा रहा है कि एक विधवा के साथ उसकी ही रेश्तेदार ने रेप करने की कोशिश की. महिला ने इसका पूरजोर तरह से विरोध किया. जिसके बाद वो रेप करने में तो सफल नहीं हुआ लेकिन महिला के कान चबा गया. इतना ही नहीं उसनें पीड़िता के साथ काफी मारपीट भी की. जिसके बाद महिला के चीख सुनकर लोग जमा होने लगे और आरोपी मौके से फरार हो गया.पीड़िता को आस–पड़ोस रहने वाले लोगों ने अस्पताल पहुंचाया गया. डॉक्टरों का कहना है कि महिला के शरीर में चोट के कई निशान हैं. डॉक्टरों ने बताया कि कान से काफी खून बहा है ऐसे में आने वाले समय में महिला को सुनने में परेशानी हो सकती है. पीड़िता का कहना है कि आरोपी युवक उसके पति की ओर से रिश्ते में था. पिछले एक साल से वो लगतार महिला को फोन पर परेशान कर रहा था. इसके बाद भी पीड़िता ने रिश्तेदारी होने के कारण पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की. हालांकि पीड़िका ने इस संबंध में आरोपी के घर जाकर जानकारी दी थी. चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि महिला के आरोप गंभीर हैं. उन्होंने बताया कि गांव वालों और महिला के आरोपों पर हमने शिकायत दर्ज कर ली है. आरोपी की तलाश के लिए लगतार छापेमारी की जा रही है. उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा, इधर, पीड़ित महिला की मदद के लिए स्थानीय महिलाएं खड़ी हो गई हैं और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाने का घेराव भी किया है।

किसानों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा देश : अखिलेश यादव

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश किसानों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। मुजफ्फरनगर में रविवार को हुई किसान महापंचायत का हवाला देते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती थी और आय तो दोगुनी नहीं हुई लेकिन महंगाई जरूर दोगुनी हो गयी। सपा अध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि भाजपा ने किसानों के साथ छल किया है। उन्होंने कहा कि सपा किसानों के साथ खड़ी है। साथ ही सरकार से तीनों कृषि कानून वापस लेने की मांग भी उठाई। सपा नेता ने कहा, भाजपा सरकार को किसानों के संघर्ष का सम्मान करना चाहिए और तीनों कृषि कानून वापस लेने चाहिए। देश किसानों का अपमान बर्दाश्त नहीं

करेगा। महामारी की दूसरी लहर के दौरान जान गंवाने वाले सपा कार्यकर्ताओं के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि फिरोजाबाद में हालात बेकाबू हो रहे हैं और बहुत से गांव ऐसे हैं जहां १०० से २०० बच्चों को अज्ञात बीमारी ने चपेट में ले लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश सरकार इस बीमारी की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अपने चाचा शिवपाल यादव की पार्टी के लिए सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के लिए जसवंतनगर सीट छोड़ी हुई है। उनके नेताओं का भी ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में इस बार छोटे दलों के साथ गठबंधन किया जायेगा। उप्र में एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी के सक्रिय होने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा प्रदेश है, यहां चुनाव के दौरान बहुत से लोग आएंगे।

किसान महापंचायत में ऐलान, मोदी सरकार के खिलाफ २७ सितंबर को भारत बंद! टिकैत बोले- बन जाए कब्रिस्तान, पीछे नहीं हटेंगे

मुजफ्फरनगर। कई महीनों से दिल्ली की बर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन को लेकर अब नई बात सामने आई है। बॉर्डर पर कब्जा जमाए बैठे किसानों उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत में नरेन्द्र मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। किसान नेताओं ने देश की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए तीखे प्रहार किए और उन्हें अगले चुनावों में उखाड़ फैंकने का ऐलान किया। इस महापंचायत में शामिल लेफ्ट नेता हन्नान मुल्लाह ने कहा है कि उनका मकसद मोदी और योगी सरकार को हराना है। आज से हमारा यूपी, उत्तराखंड, पंजाब मिशन शुरू हो गया है। इसी के साथ उन्होंने मोदी सरकार के खिलाफ २७ सितंबर को भारत बंद करने की भी घोषणा की। किसान महापंचायत में देशभर से बड़ी संख्या में उमड़े किसानों ने

तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग की। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। राकेश टिकैत ने निशाना साधते हुए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा सीएम योगी आदित्यनाथ को भी बीच में लिया और यूपी से बाहरी करार दिया है। किसान महापंचायत में राकेश टिकैत ने कहा कि हम संकल्प लेते हैं कि हम धरना स्थल को दिल्ली सीमा पर से नहीं छोड़ेंगे, भले ही हमारा कब्रिस्तान वहां बन जाए। जरूरत पड़ने पर हम अपनी जान भी दे देंगे, लेकिन जब तक हम विजयी नहीं हो जाते, तब तक धरना स्थल से बाहर नहीं निकलेंगे। महीनों से दिल्ली की सीमा पर चल रहे किसानों के आंदोलन में किसाना नेता सरकार के तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग पर अडिंग है। इसे लेकर सरकार १२ दौर की बातचीत भी कर चुकी है लेकिन किसान नेताओं की जिद की वजह से फेल होती रही है।

९ महीने से लापता महिला सीआईडी कानेस्टेबल वृंदावन में फूल बेचती मिली, कहा- कृष्ण भक्ति में

वृंदावन। कई बार देखा गया है कि पुलिस और अन्य सरकारी कर्मचारी सब को छोड़कर बचाने सन्यास ले लेते हैं. आज हम जिस महिला सीआईडी आरक्षक की बात कर रहे हैं उन्होंने सन्यास तो नहीं लिया है लेकिन उनकी कहानी काफी रोचक है. बता दे कि छत्तीसगढ़ के रायपुर में पदस्थ महिला आरक्षक ६ महीना पहले अचानक से लापता हो गई थी. काफी खोजबीन के बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल रहा था. अब इस मामले में सीआईडी कोई बड़ा सुराग मिला. सुराग के नक्शे कदम पर चलते हुए पुलिस ने महिला आरक्षी को ढूंढ लिया है. लेकिन सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि आरक्षक आंजना ने वापस आने से साफ इनकार कर दिया है. उनका कहना है कि वह अब अपने पुराने जीवन में लौटना नहीं चाहती और वृंदावन में ही रहना चाहती है. सीआईडी को इस बारे में तब पता चला जब अंजना के एटीएम से पैसे निकाले गए. की

जानकारी होने के बाद पुलिस वृंदावन पहुंच गई. हालांकि तब तक पुलिस को पता नहीं था कि पैसे अंजना ने निकाले हैं. यहां कल पुलिस ने देखा तो पुलिस भी हैरान रह गई. बता दें क्या अंजना के लापता होने के बाद परिवार वालों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी. परिवार वालों को भी पता नहीं था कि अंजना अचानक से कहां लापता हो गई है. लापता होने के पहले अंजना रायपुर के महावीर नगर में अपने परिवार के साथ रहती थी.पुलिस ने जब जाकर जांच पड़ताल की तो पता चला कि अंजना यहां फूल बेच रही है. मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस के साथ में विभाग के सहकर्मी भी आश्चर्य में पड़ गए. बाद में पूछताछ के दौरान ष्ण मंदिर के बाहर अंजना ने बताया कि अब वह वापस अपनी जिंदगी में नहीं लौटना चाहती. अंजना का कहना है कि वह वापस नहीं आना चाहती. उसका कहना है कि वह कृष्ण के भक्ति में लीन रहेगी और यहीं अपना बाकी का जीवन बिताएगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने टिकैट के 'ट्रेंड' करते नारे का लिया सहारा, कहा- अल्लाह हू अकबर और हर हर महादेव एक साथ

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को देखते हुए राकेश टिकैत ने यूपी में डेरा डाल दिया है. मुजफ्फरनगर की किसान पंचायत में राकेश टिकट का दिया हुआ नारा सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. राकेश टिकैत ने किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा था कि हम भाईचारे वाले लोग हैं. हम अल्लाह हू अकबर के साथ हर हर महादेव भी कहते हैं. अब राकेश टिकैत द्वारा दिया गया ये बयान बसपा प्रमुख ने भी प्रयोग किया है. बसपा प्रमुख मायावती ने इससे जुड़े सोमवार को दो ट्वीट किए. साफ है कि केंद्र सरकार को घेरने की योजना बना रहे किसान नेता अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को नुकसान पहुंचाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं. मायावती ने सोमवार की एक के बाद एक दो ट्वीट करते हुए कहा कि मुज्कफरनगर में किसानों की जबरदस्त महापंचायत में हिंदू मुस्लिम सौहार्द के लिए प्रयास सराहनीय हैं. मायावती ने कहा कि मुझसे ही २०१३ में सपा सरकार के दौरान हुए दंगों के गहरे जख्मों पर मरहम लगा होगा. इसके आगे मायावती ने भाजपा और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेताओं को इस तरह के भाईचारे वाले ये बयान असहज भी करेंगे. दूसरा ट्वीट में भी मायावती ने कहा कि किसान देश की शान है.

हिंदू–मुस्लिम भाईचारा के लिए आम किसान ही लोगों को संदेश दे सकते हैं. मुजफ्फरनगर जिले में आयोजित महापंचायत के मंच से भाजपा को देखते हुए राकेश टिकैत ने कहा था यूपी की जनता दंगा करवाने वालों को बर्दाश्त नहीं करेगी. इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि यह लोग तोड़ना चाहते हैं लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे हम लोगों को जोड़ेंगे. इस दौरान टिकैत ने अल्लाह हू अकबर और हर हर महादेव जैसे नारे एक साथ लगा कर एकजुटता की अपील की।

वायरल बुखार से एक दिन में १०० मौतों पर प्रियंका नाराज, कहा-दूसरी लहर से कुछ नहीं सीखा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बुखार के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है. बुखार के कारण बच्चों के साथ ही बड़े भी प्रभावित हो रहे हैं. स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर अब यूपी

में राज्य की सरकार भी दबाव महसूस कर रही है. एक और जहां विधानसभा चुनाव को देखकर सीएम योगी परेशान हैं तो दूसरी ओर विपक्ष उन्हें घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है. कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदेश में वायरल बुखार के कारण सौ से अधिक लोगों की मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने आज कहा कि राज्य सरकार स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम नहीं उठा रही है. प्रियंका गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में वायरल बुखार के कारण १०० से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है और इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है. प्रदेश सरकार के कुप्रबंधन के कारण कोरोना ने दूसरी लहर में जबरदस्त कहर मचाया लेकिन राज्य सरकार ने इससे कोई सबक नहीं लिया. प्रियंका ने कहा कि राज्य सरकार को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है. वरना एक बार स्थिति हाथ से निकल गई तो संभालना मुश्किल हो जाएगा. प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि राज्य सरकार से वायरल बुखार को रोकने के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाने चाहिए. राज्य सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि वायरल बुखार के प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत सभी संसाधनों को लगाना चाहिए और प्रभावितों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए. इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सभी संभावित एहतियाती कदम भी उठाए जाने चाहिए।

अफगान संकट पर PM मोदी की उच्च स्तरीय बैठक, रक्षामंत्री समेत कई अधिकारी रहे मौजूद : सूत्र

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान संकट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास पर उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस बैठक

में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान से भारतीयों की वापसी के विषय पर चर्चा हुई। वहीं विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ६ सितंबर, २०२१ को वर्चुअली १३वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। आपको बता दें कि अफगानिस्तान के विषय पर मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। जिसमें सरकार ने सभी दलों के नेताओं के साथ जानकारी साझा की थी।इस बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया था कि हमारा पूरा ध्यान लोगों को निकालने में है और सरकार इसके लिए सबकुछ कर रही है। उन्होंने कहा था कि हम ज्यादातर भारतीयों को वापस ले आए हैं लेकिन सबको वापस नहीं लाए हैं। हम कुछ अफगान नागरिकों को भी लाए हैं जो इस समय भारत आना चाहते थे। सरकार जल्दी से जल्दी लोगों की पूरी वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हम काबुल में फंसे हर भारतीय को वापस लाएंगे।

जावेद अख्तर के मुंबई आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ायी गई

मुंबई। लेखक–गीतकार जावेद अख्तर के मुंबई स्थित आवास के बाहर सुरक्षा सोमवार को बढ़ा दी गई। भाजपा के एक विधायक ने अख्तर से उनकी उस टिप्पणी को लेकर उनसे माफी की मांग की है जिसमें उन्होंने आरएसएस की तुलना कथित तौर पर तालिबान के साथ की थी। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने कहा कि जुहू इलाके में इस्कन मंदिर के पास स्थित अख्तर के आवास के बाहर पुलिस की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि महिला कांस्टेबल सहित सुरक्षा कर्मियों को गीतकार के घर के बाहर तैनात किया गया है। अख्तर ने हाल ही में एक समाचार चौनल से कहा था कि पूरी दुनिया में दक्षिणपंथियों में एक अनोखी समानता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नाम लिए बिना गीतकार ने कहा था, ''तालिबान एक इस्लामी देश चाहता है। ये लोग हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं।'' भाजपा विधायक और प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राम कदम ने अख्तर की टिप्पणी की निंदा की। मुंबई के विधायक ने कहा कि अख्तर से जुड़ी किसी भी फिल्म को देश में तब तक प्रदर्शित नहीं होने दिया जाएगा जब तक कि वह अपनी टिप्पणियों के लिए संघ के पदाधिकारियों से माफी नहीं मांग लेते। महाराष्ट्र में राकांपा और कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने वाली शिवसेना ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तालिबान से तुलना करने में गीतकार जावेद अख्तर ''पूरी तरह से गलत'' थे। शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है, ''आप कैसे कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का समर्थन करने वाले तालिबानी मानसिकता के हैं? हम इससे सहमत नहीं हैं।

अद्भुत पत्ते : हनुमान जी की छवि वाले पत्ते

अमरेन्द्र सहाय अमर

हमारी प्रकृति बहुत ही अद्भुत और विचित्र है. आज भी वैज्ञानिक प्रेंति के रहस्यों की

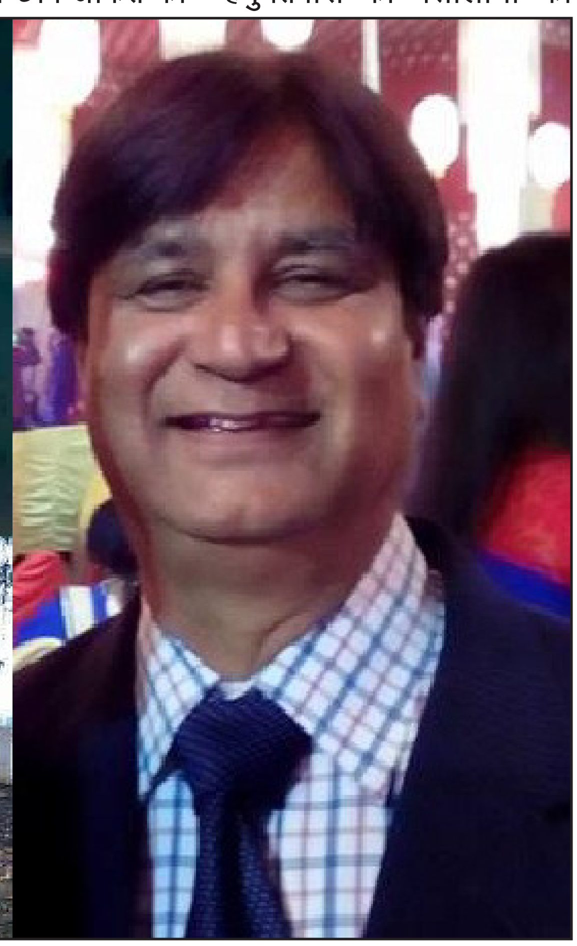

जानकारी पाने में अक्षम हैं. आज बहुत से प्रेंति के ऐसे रहस्य है जिस पर वैज्ञानिक मौन हैं. आज हम आपको एक ऐसे वृक्ष के बारे में जानकारी देने जा रहे है जिसके हर पत्ते पर हिन्दुओं के अमर देवता श्री हनुमान जी की छवि पाई जाती है. सच में यह अत्यंत विस्मयकारी और स्तब्ध करने वाला वृक्ष है. दरअसल इस वृक्ष का नाम भी हनुमतवीरा वृक्ष है. हनुमतवीरा वृक्ष की प्रत्येक पत्ती पर हनुमत जी की छवि दिखती है . एक या दो पत्तियों पर हनुमान जी की छवि का दिखाना संयोग हो सकता है . इस पर किसी कलाकार की कलाकारी से हनुमान जी की छवि अंकित की ज सकती है लेकिन वृक्ष की हर पत्ती पर छवि बनाना संभव नही . हम बात कर रहे है हनुमतवीरा वृक्ष की. जी हाँ यह वृक्ष आंध्र प्रदेश के श्री शैलम जंगल में पाया जाता है. आप इसे ईश्वरीय चमत्कार मां सकते है . इसके बारे में कहा जाता है कि हनुमतवीरा की पत्तीलोगों की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक अवस्थाओं को दुरुस्त करता है . लोग इसकी पत्ती को अपने पर्स में रखते हैं . कहा जाता है यह एक कल्याणकारी वृक्ष हैं।

९० साल के दूल्हे ने सबकुछ ताक पर रख कर ७५ साल की महिला को बनाया अपनी दुल्हन, तारीफ में कहा- दुल्हन बहुत अच्छी हैं

रामपुर। कहते है ना प्यार की कोई उम्र नहीं होती, ऐसा ही कुछ देखने को मिला उत्तर प्रदेश के जिले रामपुर

में। जहां एक ९० साल का बुजुर्ग सबकुछ ताक पर रख कर एक बार फिर से दूल्हा बन गया। यूपी के रामपुर में हुए इस अनोखी शादी ने सभी को हैरान कर दिया। ये शादी लोगों की जुबां पर छाई हुई है। रामपुर भोट थाना क्षेत्र के नरखेड़ी गांव के रहने वाले ९० वर्षीय बुजुर्ग शफी अहमद ने अपने से २० साल छोटी ७५ साल की महिला को अपनी बेगम बनाया। परचून की दुकान चलाकर अपना गुजारा करने वाले ९० साल के बुजुर्ग शफी अहमद की पहली पत्नी की कई साल पहले मौत हो चुकी है। उनकी पांच बेटियां भी हैं जिनका निकाह हो चुका है। ऐसे में पिता की देखभाल करने वाला कोई भी नहीं है। ऐसे में उनकी देखभाल के लिए बेटियों ने आपसी सहमति से अपने वृद्ध पिता के लिए एक जीवन साथी की आवश्यकता महसूस की और एक वृद्ध महिला के साथ उनका निकाह करा दिया गया। निकाह होने से ये बुजुर्ग दंपति भी एक दूसरे का सहारा पाकर काफी खुश हैं। ९० साल के दूल्हे शफी अहमद ने अपनी नई नवेली दुल्हन की तारीफ करते हुए कहा कि, दुल्हन बहुत अच्छी हैं, नमाज पढ़ने को जाती हैं। दुल्हन आयशा बी ने कहा कि, मेरा कोई नहीं था। खाने पीने की समस्या थी। इस वजह से हमने निकाह किया है।

दिल्ली में २४ घंटे में कोरोना वायरस से ३२ लोग संक्रमित, नहीं गयी किसी मरीज की जान

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को कोविड–१९ के ३२ नए मामले सामने आए और संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर १४,३७,९९१ हो गई। वहीं, लगातार छठे दिन भी संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं हुई। दिल्ली में संक्रमण दर ०.०६ प्रतिशत हो गयी है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन जारी कर यह जानकारी दी। दिल्ली में सितंबर के महीने में अब तक संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। दिल्ली में रविवार को सिर्फ ५४,९११ नमूनों की कोविड–१९ जांच की गयी, जोकि संक्रमण के नये मामलों में कमी की एक वजह मानी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में अब तक १४.१२ लाख लोग इस जानलेवा वायरस के संक्रमण को मात दे चुके हैं। दिल्ली में अब तक २५,०८२ लोगों की कोविड–१९ से मौत हो चुकी है। इससे पहले दिल्ली में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के ३० नये मामले सामने आए थे और किसी मरीज की मौत नहीं हुई थी।

अब इंफोसिस भी देश विरोधी है!

नई दिल्ली। अब तक भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद आदि के पदाधिकारी, कार्यकर्ता जेएनयू और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्रों को, सामाजिक व मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को, दलित व आदिवासी कार्यकर्ताओं को, विपक्षी पार्टियों के नेताओं को ही देश विरोधी और टुकड़े टुकड़े गैंग का सदस्य कहा करते थे लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया भर में सबसे सम्मानित भारतीय कंपनियों में से एक इंफोसिस को राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने देश विरोधी कहा है। इतना ही नहीं आरएसएस ने अपने मुखपत्र पांचजन्य की कवर स्टोरी में इंफोसिस को देश विरोधियों, नक्सलियों, वामपंथियों और टुकड़े टुकड़े गैंग की मदद करने वाली कंपनी करार दिया है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुखपत्र में कहा गया है कि भारत सरकार की कर वसूली को प्रभावित करने के मकसद से साजिश के तहत इंफोसिस ने सरकारी वेबसाइट को खराब तरीके से डिजाइन किया। गौरतलब है कि सरकार ने जीएसटी, कंपनी मामलों के मंत्रालय, सीबीडीटी आदि की

वेबसाइट डिजाइन करने का ठेका इंफोसिस को दिया था। कंपनी ने साइट बनाई, जिसे सात जून को लांच किया गया। तभी से इस वेबसाइट में कुछ न कुछ खामी आ रही है। अब सरकार ने उसे सब कुछ ठीक करने के लिए १५ सितंबर तक का समय दिया है। इसी को लेकर आरएसएस ने इंफोसिस पर साजिश रचने का आरोप लगाया है। आरएसएस ने पूछा है कि क्या कंपनी इसी तरह विदेशी क्लायंट की सेवा करती है? 'साख और आघात' नाम से लिखे कवर स्टोरी में कंपनी पर हमला किया गया है, कंपनी के संस्थापकों में से एक नंदन नीलेकणी को कांग्रेस का आदमी बताया है और कंपनी के संस्थापक नारायणमूर्ति को भाजपा का वैचारिक विरोधी कहा गया है। इसमें कंपनी के ऊपर देश विरोधियों को समर्थन देने के आरोपों का भी जिक्र है। देश की सबसे सम्मानित कंपनियों में से एक इंफोसिस के खिलाफ इस बड़े हमले को लेकर समूचे कारपोरेट जगत में खामोशी है। विपक्षी पार्टियों ने जरूर कंपनी का बचाव किया है। इस बीच दूसरी ओर यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि सरकार ने अच्छी खासी चलती हुई सरकारी वेबसाइट को क्यों रिडिजाइन कराया और कराया तो सरकारी कंपनी एनआईसी की बजाय निजी कंपनी को क्यों शामिल किया?

आम लोगों के खर्च से बढ़ी है जीडीपी

नई दिल्ली। भारत सरकार इस बात के लिए अपनी पीठ थपथपा रही है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी २०.१ फीसदी की दर से बढ़ी है। हालांकि सबको पता है कि इतनी ऊंची विकास दर इस वजह से है क्योंकि पिछले साल की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी २४.४ फीसदी माइनस में रही थी। सो, लो बेस इफेक्ट की वजह से विकास दर ऊंची दिख रही है। लेकिन इतनी ऊंची विकास दर भी सरकार के किसी प्रयास से नहीं बढ़ी है, बल्कि आम लोगों का खर्च बढ़ने की वजह से बढ़ी है। आम लोगों का खर्च भी किसी सरकारी प्रयास से नहीं बढ़ा है क्योंकि सरकार ने कोरोना महामारी के बीच किसी को नकद नहीं दी है। आम लोगों का खर्च अपने जमा पैसों से या जेवर आदि गिरवी रख कर लिए गए कर्ज से बढ़ा है। गौरतलब है कि सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने की दर में भारी इजाफा हुआ है। स्टेट बैंक के गोल्ड लोन में दो सौ फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। बहरहाल, सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल अप्रैल से जून की तिमाही में देश के लोगों ने १४ लाख ६४ हजार करोड़ रुपया खर्च किया था। इस साल पहली तिमाही में यानी अप्रैल से जून के बीच लोगों का खर्च बढ़ कर १७ लाख ८३ हजार करोड़ हो गया। यानी लोगों का खर्च तीन लाख करोड़ रुपया बढ़ा। इस बीच इसी अवधि में सरकारी खर्च में कमी हो गई। पिछले वित्त वर्ष की

पहली तिमाही सरकार ने चार लाख ४२ हजार करोड़ खर्च किया था लेकिन इस यह घट कर चार लाख २१ हजार करोड़ हो गया। यानी सरकार ने पिछले साल की पहली तिमाही के मुकाबले २१ हजार करोड़ रुपए कम खर्च किए। जाहिर है लोगों ने कर्ज लेकर, सेना गिरवी रख कर या परिवार की संपत्ति बेच कर पैसे जुटाए और परिवार चलाने के लिए खर्च किया। उससे देश की जीडीपी बढ़ी है।

हो गयी टीम की घोषणा, इन दो सीनियर खिलाड़ियों की हुई छुट्टी, देखें लिस्ट

इस्लाबाद। अगले महीने होने वाले टी२० वर्ल्ड कप को देखते हुए अब टीमों ने अपने खिलाड़ियों का ऐलान करना शुरू कर दिया है. उम्मीद की जा रही है कि भारत भी कल अपने खिलाड़ियों के नाम की घोषणा कर सकता है. इधर भारत का प्रतिद्वंदी देश माने जाने वाले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों का ऐलान कर दिया है. पाकिस्तान क्रिकेट में एक बार फिर से अपने स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को टीम की कमान सौंपी है. हालांकि यह चौंकाने वाला मामला है कि पाकिस्तान के दो सीनियर खिलाड़ी शोएब मलिक और सरफराज अहमद को टीम में जगह नहीं मिली है. हालांकि फकर जमां को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड रिजर्व खिलाड़ियों में जगह दी है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने १५ सदस्यों की टीम का ऐलान कर दिया है. साझा की गई जानकारी

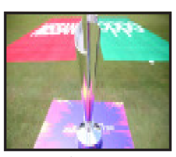

के अनुसार बोर्ड ने तीन खिलाड़ियों को रिजर्व के लिए रखा है. यह एक बड़ा फैसला माना जा रहा है जहां सरफराज अहमद और शोएब मलिक को टीम से बाहर कर दिया गया है. बता दें कि सरफराज २०१६ वर्ल्ड कप के बाद से टीम के साथ लगातार जुड़े नहीं है. इधर शोएब मलिक ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ कोई खास प्रदर्शन नहीं किया. शायद यहीं कारण है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन दोनों ही सीनियर खिलाड़ी को वर्ल्ड कप में जगह नहीं दी. पाकिस्तान में इस बार युवा खिलाड़ियों पर दांव खेला खेला गया है. टीम की कप्तानी पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम करने वाले हैं. इसके साथ ही साथ आप हफीज, शाहीन अफरीदी, रऊफ, आसिफ अली, आजम खान, इमाद, खुशदिल, हसनेन , रिजवान नवाज वसीम और शोएब को स्थान मिला है. वही रिजर्व रखे गए खिलाड़ियों में उस्मान कादिर, फक्र जमा और शाहनवाज धनी शामिल है।

विराट कोहली को फिर गुस्से पर नहीं रहा काबू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली अपने प्रदर्शन के साथ–साथ अपने गुस्से को लेकर भी जाने जाते हैं. इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में विराट कोहली ४४ रन बनाकर आउट हो गए. ड्रेसिंग रूम में जाकर एक बार फिर उन्होंने अपना गुस्सा निकाला. टेस्ट मैच में अच्छे टच में दिखाइए विराट कोहली ने दूसरी इनिंग में आकर को जबरदस्त शट लगाए थे. दर्शकों को उम्मीद थी कि विराट अपने शतकों के सूखे को खत्म कर देंगे. लेकिन मोइन अली के खिलाफ डिफेंस करने के दौरान एक बार फिर से वे आउट हो गए. बता दें कि मोईन अली ने छठी बार विराट कोहली को अपना शिकार बनाया है. विराट कोहली को टेस्ट में सबसे अधिक बार पवेलियन वापस भेजने वालों में अब मोईन अली के साथ ही जेम्स एंडरसन और नाथन लियोन ही हैं. दूसरी इनिंग में विराट कोहली आउट होने के बाद काफी निराश नजर आए. मैदान से पवेलियन लौटने के बाद उनकी यह निराशा गुस्से में बदल गई और उन्होंने अपना हाथ दीवाल पर जोर से दे मारा. हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब विराट ने गुस्से में इस तरह की कोई हरकत की है. इसके पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है जो विराट कोहली को अपने गुस्से पर काबू नहीं रहा है. विराट कोहली के दीवार पर हाथ मारने का यह वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. विराट कोहली पिछले ५३ पारियों से एक भी शतक नहीं बना पाए हैं.भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा तीसरे टेस्ट मैच में अभी काफी रोमांच बचा हुआ है. भारत द्वारा दिए गए लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए बिना विकेट खोए ७७ रन बना लिए हैं. हालांकि अभी मैच के परिणाम के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी. क्रिकेट के कई दिग्गज और पूर्व खिलाड़ियों का भी मानना है कि मैच अभी दोनों तरफ चल सकता है. मैच का आखिरी दिन निर्णायक होने वाला है. भारतीय प्रशंसक इस उम्मीद के साथ बैठे हैं कि पहले सेशन में टीम को कुछ सफलताएं हाथ लग जाए.

भारत की ओवल टेस्ट में ऐतिहासिक जीत, इंग्लैंड को २१० रन पर किया ढेर, सीरीज में २-१ से बनाई बढ़त

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के केनिंग्टन ओवल स्टेडियम में खेले गये चौथे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने आज इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासीक जीत दर्ज कर ली है। भारत ने इंग्लैंड के में भारत की पहली पारी १६१ रन पर सिमट गई थी, लेकिन दूसरी पारी में भारत के बल्लेबाजों ने कमाल कर दिया। भारत ने रोहित शर्मा के शानदार शतक के दम पर दूसरी पारी में ४६६ रन का

सामने जीत के लिए ३६८ रन का लक्ष्य रखा था। भारत की इस जीत में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस जीत के साथ ही भारत ने

५ मैचों की टेस्ट सीरीज में २–१ की बढ़त बना ली है। सीरीज का ५वां और अंतिम टेस्ट मैच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में १० सितंबर से खेला जाएगा। इस मैच विशाल स्कोर बनाया और इंग्लैंड को जीत के लिए ३६८ रन का लक्ष्य दिया। भारत के लिए गेंदबाजी में सबसे अधिक उमेश यादव ने ३ विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने २–२ विकेट लिए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में २९० रन बनाकर ९९ रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम दिन इंग्लैंड को २१० रन पर ढेर कर दिया और भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

यूपी सरकार जल्द ही पर्यटक स्थलों पर हेलीकप्टर टैक्सी सेवा शुरू करेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य भर के प्रमुख स्थलों को जोड़ने के लिए हेलीकॉप्टर टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। यह सेवा इस साल

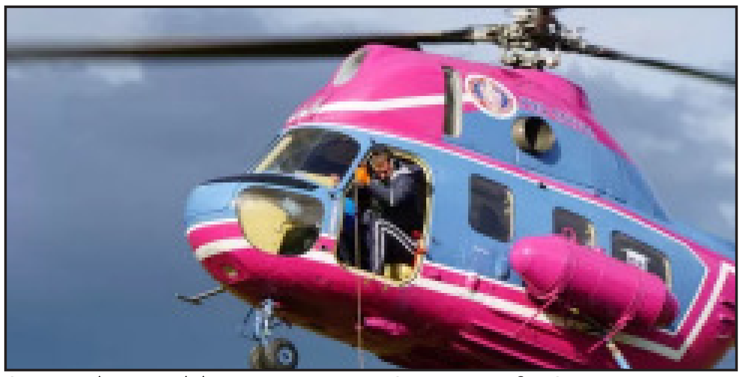

दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। महामारी के मद्देनजर जब लोग भीड़–भाड़ वाली बसों और ट्रेनों में यात्रा करने से बचना पसंद करते हैं, पर्यटन अधिकारियों को लगता है कि हेलिकॉप्टर टैक्सी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम के अनुसार आगरा में जहां हेलीपोर्ट बनकर तैयार है वहीं अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर हेलीपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। यह परियोजना निजी–सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित होगी और उपयुक्त निजी खिलाड़ियों को खोजने के लिए दो सप्ताह के भीतर एक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा। अधिकांश पर्यटक, विशेष रूप से विदेशी, अच्छी कनेक्टिविटी के कारण ताजमहल देखने के लिए आगरा आते हैं लेकिन वही पर्यटक खराब कनेक्टिविटी के कारण समान रूप से महत्वपूर्ण अन्य पर्यटन स्थलों को छोड़ देते हैं। ऐसे पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर टैक्सी सेवा एक फायदा साबित होगी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि यह सेवा सुनिश्चित करेगी कि पर्यटक गंतव्य तक पहुंचें और उसी दिन वापस लौट जाएं। आगरा हवाई अड्डे के पास एक हेलीपोर्ट के अलावा, मेश्राम ने कहा कि सरकार के पास पहले से ही विंध्याचल, प्रयागराज, लखनऊ और वाराणसी में एक हवाई अड्डा है। अधिकारियों के मुताबिक मथुरा और प्रयागराज में भी बुनियादी सुविधाओं के साथ आगरा जैसा हेलीपोर्ट भी बनाया जा रहा है। इसी तरह, बोधगया और कुशीनगर में बौद्ध स्थलों के लिए पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर टैक्सी भी उपलब्ध होगी।

आयोजन कर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

लखनऊ। दिन रविवार को नगर पंचायत में लगने वाले गांव अतरौली में केंद्रीय जीएस.टी. के अधिकारी सेवाकर मण्डल लखनऊ– प्रथम द्वारा सी.एन. मिश्रा डिप्टी कमिश्नर महोदय के निर्देश भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम केअंतर्गत अतरौली मोहनलाल गंज में कोरोना बीमारी के निवारण हेतु गाँव वालों को जाग्रत किया वही उक्त अवसर पर केंद्रीय ळैज के अधिकारी मण्डल लखनऊ प्रथम धर्मेंद्र कुमार अधीक्षक तिलक चन्द्र अधीक्षक नवल सोनी टी.ए तथा अन्य स्टाफ सहित लवकुश यादव प्रधान मण्डल अध्यक्ष उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षक संघ लखनऊ मण्डल उमेश यादव प्रधान ओम प्रकाश यादव प्रबन्धक अभय यादव एडवोकेट द्वारा सैकड़ो लोगों को सेनिटाइजर एवम मास्क का वितरण करने सहित वैक्सिनेशन के लिए जागरूक किया ताकि सरकार द्वारा चलाये जा रहे निशुल्क वैक्सिनेशन का शत प्रतिशत लाभ लोग उठा सके और देश कोरोना मुक्त हो सके ।

बुखार ने मचाया कोहराम, ३ डॉक्टर सस्पेंड, फिरोजाबाद में ५० की मौत, लखनऊ में ४०० से ज्यादा मरीज भर्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के कम होते ही अब एक नए बुखार ने कोहराम मचा रखा है। जिसके चलते करीब ५० लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद स्वास्थ्य

विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। यूपी के फिरोजाबाद में इस बुखार ने ऐसा गदर मचा रखा है कि ये कंट्रोल होने का नाम नहीं ले रहा। यहां इस बुखार से एक सप्ताह में करीब ५० लोगों ने दम तोड़ दिया है, जिसमें बच्चों की संख्या बहुत अधिक है। ऐसे में इस बीमारी को लेकर फिरोजाबाद में हाल में सीएमओ का ट्रांसफर किए जाने और अब ३ डॉक्टरों को सस्पेंड किया गया है। वहीं, राजधानी लखनऊ में भी इस बुखार से ४०० से ज्यादा लोग पीड़ित बताए जा रहे हैं। जिनमें से ४० बच्चे भी इस बुखार से ग्रसित हैं।जिनका सरकारी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। यहां भी इस बुखार से कई बच्चे पीड़ित है। इस बुखार से यूपी के कई शहरों में लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। फिरोजाबाद में इस बुखार से पिछले एक हफ्ते में कम से कम ३२ बच्चों की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अस्पतालों में जाकर बच्चों का हाल जाना था और उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश भी दिए थे। इसके बाद बावजूद यहां हालात बेकाबू हो रहे हैं। ऐसे में जिला मजिस्ट्रेट चंद्रविजय सिंह ने लापरवाही को देखते हुए तीन डॉक्टरों को सस्पेंड कर दिया है। कोरोना संक्रमण के बाद अब फैले इस नए बुखार से अभी तक डॉक्टर भी परिचित नहीं हो पाए हैं। डॉक्टर्स भी इस बुखार को सही ढंग से समझ नहीं पा रहे हैं। फिरोजाबाद में स्वास्थ्य विभाग जहां इस बुखार को डेंगू बता रहा है, वहीं राजधानी लखनऊ में डॉक्टर इसे मौसमी फ्लू मान रहे हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

अक्षय कुमार की मां की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती, शूटिंग बीच में छोड़ ब्रिटेन से मुंबई वापस लौटे

नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की मां अरूणा भाटिया की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। हालत ज्यादा खराब होने के बाद उन्हें आईसीयू में एडमिट किया गया है। इसकी सूचना मिलते ही अक्षय कुमार आज सोमवार की सुबह ब्रिटेन से मुंबई वापस आ गए हैं। मीडिया में चल रही खबरों के मुताबिक, अक्षय कुमार की मां कुछ दिनों से बीमार हैं और मुंबई के हीरानंदानी अस्पताल में आईसीयू में हैं। ऐसे में अक्षय कुमार अपनी मां की देखभाल के लिए ब्रिटेन में चल रही शूटिंग को छोड़कर मुंबई लौट आए हैं। अक्षय पिछले कुछ हफ्तों से ब्रिटेन में शूंटिंग में व्यस्त हैं। मीडिया में चल रही खबरों की माने तो अक्षय कुमार ब्रिटेन से लौटे तो हैं लेकिन उन्होंने फिल्म निर्माताओं से उन सीन्स की शूटिंग जारी रखने को कहा है जिसमें अक्षय की भूमिका नहीं है। बता दें कि अक्षय वहां फिल्म सिंड्रेला की शूटिंग कर रहे हैं। आपको बताना चाहेंगे कि, हालही में अक्षय कुमार की 'बेलबॉटम' फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और ये फिल्म कोरोन की दूसरी लहर के बाद सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली बड़ी फिल्म बन गई है। रंजीत एम तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय के साथ लारा दत्ता, हुमा कुरैशी और वाणी कपूर भी हैं। इस फिल्म में अक्षय ने एक रॉ एजेंट भूमिका निभाई है।

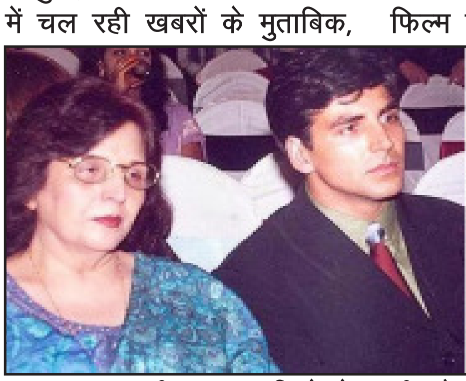

सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार में पुलिस से उलझी एक्ट्रेस संभावना सेठ

नई दिल्ली। सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार में उस समय एक बार बवाल मच गया जब टीवी एक्ट्रेस संभावना सेठ और मुंबई पुलिस के बीच झड़प हो गई। इस सेठ उलझ पड़ी। दरअसल, पुलिस के एक अधिकारी ने गेट पर संभावना के पति को पीछे हटने के लिए कहते हुए मुंह से पीछे ढकेल दिया। इस बात पर पहले

घटना का वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है। टीवी स्टार सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के बाद जब संभावना सेठ अपने पति अविनाश द्विवेदी के साथ सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम दर्शनों के लिए ओशिवारा श्मशान घाट पहुंची थी तब हां भीड़ को कंट्रोल कर रही पुलिस के साथ एक्ट्रेस संभावना उनके पति अविनाश पुलिस पर भड़के और फिर एक्ट्रेस संभावना सेठ भी भड़क गई और पुलिसकर्मियों से उलझ पड़ी। उनकी पुलिस से जमकर बहस हुई। इसी दौरान वहां मौजूद कई लोगों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक